Title: Regarding proposed demonstration by the Samajwadi Party at Lucknow on 12 May, 2003.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, मुझे आपकी आज्ञा से सदन को एक सूचना देनी है कि 12 मई को श्री मुलायम सिंह जी के नेतृत्व में लखनऊ में पार्टी की ओर से एक विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया गया हैâ€¦ (व्यवधान)अध्यक्ष महोय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। हमारे पास निश्चित जानकारी है कि हमारे प्रदर्शन में व्यवधान डालने का प्रयास किया जा रहा है। हमारे लोगों को आतंकित किया जा रहा है। बरेली में गिरफ्तारियां की गई हैं, आगरा में लोगों को धमकाने का काम शुरु हो गया है और बदायूं में यही काम हो रहा है। हमारी यह निश्चित जानकारी है कि कुछ शातिर किस्म के लोग तथा प्रशासन के लोग इस तरह के हालात पैदा कर सकते हैं जिससे श्री मुलायम सिंह जी के नेतृत्व में होने वाले प्रदर्शन को बदनाम किया जा सके। आप खुद गवाह हैं कि वहां प्रतिशोधात्मक भावना से काम किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, हम आपका संरक्षण चाहते हैं। हम यह बात लोक सभा में रिकॉर्ड पर लाना चाहते हें कि जानबूझकर पहले ही से ऐसे हालात पैदा किये जा सकते हैं जिससे उत्तर प्रदेश के वरिठ नेताओं को संगीन धाराओं में गिरफ्तार किया जा सके।

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष जी, आज सदन उठने वाला है, इसलिये हम अपनी बात रखना चाहते हैं। हम इस बात को लोक सभा के रिकॉर्ड पर लाना चाहते हैं कि यह एक गंभीर मामला है। अगर आप मुझसे अकेले में पूछना चाहें तो मैं सारी जानकारी दूंगा कि क्या बात है? वहां एक प्रकार से गहरी साजिश हो रही है। पहले तो आदेश दे दिया गया कि उत्तर प्रदेश में कोई बस नहीं पहुंचेगी, ट्रेक्टर नहीं चल सकता है लेकिन हमारे लोग पहुंचना चाहते हैं। हमारी पार्टी के सदस्य श्री शेरवानी ने अभी हमें

सूचना दी है कि बदायूं में सात लोगों को बुलाकर डी.एस.पी. ने 3-4 दिनों तक लॉक अप में बंद रखा और फिर छोड़ दिया लेकिन खबरदार किया कि प्रदर्शन में शामिल नहीं होना।

बाकायदा पूरे निर्देश हैं। आप अपने तरीके से पता लगाइये।

दूसरा सबसे बड़ा ाड्यंत्र यह है कि प्रदर्शन में सैकड़ों पुलिसवाले सादी वर्दी में रहेंगे। वे कोई हथगोला रख सकते हैं या कोई ऐसा सामान रख सकते हैं, जिससे हिंसा हो जाए। क्योंकि अभी जो हाई कोर्ट का फैसला आया है, उसमें सरकार ने मुंह की खाई है। उसके कारण वे हमसे इतने नाराज हो गये हैं हैं कि कोई बहाना ढूंढकर, जो हमारे नेता हैं, चाहे वह श्री जनेश्वर मिश्रा हो, श्री अमर सिंह हो, श्री रामजीलाल सुमन हों, चाहे हम हों या अन्य कोई हों, हमारे खिलाफ कोई संगीन और फर्जी केस बनाकर जेल भेज सकते हैं। हम यह बात गंभीरता से कह रहे हैं। हम कभी भी हवा में बात नहीं कह सकते और न ऐसी बात कह सकते हैं जिसमें हम गलत साबित हो जाएं। यदि आप अकेले में, अपने चैम्बर में पूछेंगे तो हम बता देंगे कि हमें सूचना कहां से मिली है। इसमें गंभीर बात यह है कि वे प्रदर्शन भी रोकेंगे। आपको पता है कि 21 फरवरी को भी रोका गया। हमारे दफ्तर में गोलियां चलीं, हमारे दफ्तर में हथगोले फेंके गये, हमारे दफ्तर के सारे दरवाजे टूट गये। हमारी पार्टी की जितनी गाड़ियां थी, उन्हें तोड़ा गया और उसके बाद हम जहां मंच पर जाने वाले थे, वहां सबसे पहले आंसूगैस का गोला मेरे ऊपर गिरा। हमने समझा कि हमारी गाड़ी के साइलेंसर का धुआं है। हमने दफ्तर के दरवाजे बंद करा दिये। उसके बाद कुंवर अखिलेश सिंह ने आपको बाकायदा कारतूस पेश किये। इस तरह से 21 फरवरी को भी हमारे प्रदर्शन को रोका गया था। हमारे प्रदर्शनों का इतिहास है कि हमारे प्रदर्शन शांतिपूर्ण हुए हैं। अभी तक कोई भी अधिकारी, कोई भी पार्टी इस बारे में गलत नहीं कह सकती है। सभी पार्टियां भी कहती हैं कि समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन शांतिपूर्ण होता है। हमें जब करना होता है, जेल में जाना है, तब जरूर हम कुछ करते हैं, लेकिन यह हमारा शांतिपूर्ण प्रदर्शन है। इसमें यही सबसे बड़ा ाड्यंत्र होगा कि कोई हथगोला रखा जायेगा और संगीन केस बनाये जायेंगे, कोई घटना बनाई जायेगी।

यह सरकार के स्तर पर, मुख्य मंत्री के स्तर पर एक पूरी बैठक हो गई है। डी.जी.पी. से लेकर बड़े-बड़े अधिकारियों द्वारा मिलकर यह ाड्यंत्र तैयार किया गया है। इसलिए यह मामला हम जानकारी के लिए सदन में रखना चाहते हैं। वहां पर प्रदर्शनकारियों को रोका जा रहा है और हमारे नेताओं के खिलाफ कोई संगीन फर्जी केस बनाने का ाड़यंत्र हो रहा है। यह हम आपकी जानकारी में लाना चाहते हैं। सदन उठने वाला है। हम इस सदन के एक सदस्य हैं, हमें आपका संरक्षण है।

अध्यक्ष महोदय हम आपसे चाहते हैं कि सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री शरद यादव या जो अन्य मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं, आप सरकार को निर्देश दीजिए। शरद यादव जी यह एक गंभीर मामला है। हालात और समय हमेशा एक से नहीं रहते हैं। विपक्ष में रहकर हम लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ और सरकार की बुराइयों की आलोचना करते हैं और प्रदर्शन के माध्यम से अपना रोा प्रकट करते हैं, लेकिन जो हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है, संवैधानिक अधिकार है, उसे आज रोका जा रहा है। इसलिए अध्यक्ष जी हमारी आपसे प्रार्थना है कि आप हस्तक्षेप कीजिए और सरकार को निर्देश दीजिए ताकि जो हमारे खिलाफ बड़ा गंभीर ाड़यंत्र हो रहा है, उससे हम लोगों को बचाया जा सके।

अध्यक्ष महोदय : यहां मंत्री, श्री शरद यादव जी बैठे हुए हैं, मैं उन्हें इतना ही कहूंगा कि इस विाय को गृह मंत्री जी के ध्यान में लायें।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शरद यादव) : अध्यक्ष जी, माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने जो बातें यहां कही हैं, उनकी भावनाओं को मैं गृह मंत्री जी के पास पहुंचा दूंगा।